हरिभूमि
विराट भूमि
शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्यौहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर
जबलपुर, शनिवार 25 जुलाई 2026
login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

बिजली चोरी रोकने पहुंची टीम से मारपीट करने वाला दोषी करार

शहडोल। विशेष न्यायालय (विद्युत अधिनियम) बुढ़ार के विशेष न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल ने बिजली चोरी एवं शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के चर्चित मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी मोहम्मद इसरार अंसारी को विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराया है। न्यायालय ने भारतीय दंड संहिता की धारा 353, 332 तथा विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135(1)(क) के तहत दोषसिद्धि दर्ज करते हुए कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया, जबकि धारा 506 (भाग-2) के आरोप से आरोपी को दोषमुक्त किया। यह निर्णय 20 जुलाई 2026 को पारित किया गया। मामले में राज्य शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक आलोक राय ने पैरवी की, जबकि आरोपी की ओर से अधिवक्ता सीताराम गुप्ता ने पक्ष रखा। अभियोजन के अनुसार 3 मार्च 2023 की रात लगभग 9 बजे मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी की जांच टीम बुढ़ार क्षेत्र के भुतहीटोला में बिजली चोरी की शिकायत पर पहुंची थी। टीम में कनिष्ठ अभियंता सुखबदन विश्वकर्मा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। जांच में पाया गया कि आरोपी का विद्युत कनेक्शन बकाया राशि के कारण पहले ही विच्छेदित किया जा चुका था, इसके बावजूद वह एलटी लाइन से अवैध कनेक्शन जोड़कर बिजली का उपयोग कर रहा था। कार्रवाई के दौरान आरोपी ने कथित रूप से विभागीय कर्मचारियों से हाथापाई की, शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की तथा विरोध किया। इसके बाद बुढ़ार थाना में अपराध दर्ज कर विवेचना पूरी कर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।

सुनवाई के दौरान न्यायालय के समक्ष विद्युत विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, चिकित्सक तथा विवेचना अधिकारी सहित कई गवाहों के बयान दर्ज किए गए। डिजिटल पंचनामा, मेडिकल रिपोर्ट, स्थल निरीक्षण, धारा 65-बी का प्रमाणपत्र तथा अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। माननीय न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा कि अभियोजन द्वारा प्रस्तुत मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्य विश्वसनीय एवं परस्पर पुष्ट हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि आरोपी ने अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया तथा जांच करने पहुंचे लोक सेवकों के कार्य में बाधा पहुंचाई। हालांकि जान से मारने की धमकी संबंधी आरोप संदेह से परे सिद्ध नहीं होने के कारण आरोपी को उस आरोप से दोषमुक्त किया गया।

निर्णय के अनुसार आरोपी को धारा 353 के तहत छह माह का सश्रम कारावास एवं एक हजार रुपये अर्थदंड, धारा 332 के तहत दो वर्ष का सश्रम कारावास एवं दो हजार रुपये अर्थदंड तथा विद्युत अधिनियम की धारा 135(1)(क) के तहत एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं तीन हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी की रोकथाम के दौरान शासकीय कर्मचारियों के साथ मारपीट और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करना गंभीर अपराध है तथा ऐसे मामलों में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई आवश्यक है।

लाचार परिजनों की दर्दनाक तस्वीर

70 करोड़ का बजट या भ्रष्टाचार का स्ट्रेचर

बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में चादर पर घिसट रही जिंदगी

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय का बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कहने को तो संभाग का सबसे बड़ा और हाइटेक अस्पताल है, लेकिन हकीकत में यह सफेद हाथी से ज्यादा कुछ नहीं साबित हो रहा, करोड़ों रुपए के भारी-भरकम बजट और कागजी दावों के नीचे यहां की बुनियादी व्यवस्थाएं दम तोड़ चुकी हैं। हद तो तब हो गई जब अस्पताल में भर्ती होने आए एक गंभीर मरीज को एक अदद स्ट्रेचर तक नसीब नहीं हुआ और बेबस परिजनों को चादर व कंबल का झूला बनाकर मरीज को डॉक्टर के चैंबर और वार्ड तक ढोने के लिए मजबूर होना पड़ा। क्या यही है संभाग के सबसे बड़े अस्पताल की चमचमाती हाई-टेक व्यवस्था?

चादर पर घिसटने को मजबूर मरीज

शर्मनाक पहलू यह है कि हाल ही में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त रूप से नेशनल आयुष मिशन के तहत मेडिकल कॉलेज के बुनियादी ढांचे और मूलभूत सुविधाओं के कायाकल्प के लिए 70 करोड़ रुपए की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है। लेकिन सवाल यह उठता है कि करोड़ों रुपए का यह विकास आखिर किसकी जेब में पच रहा है? जब अस्पताल के पास मरीज को वार्ड तक ले जाने के लिए 1000-2000 रुपए का

स्ट्रेचर या व्हीलचेयर तक मौजूद नहीं है, तो फिर 70 करोड़ का यह ढिंढोरा किसके लिए पीटा जा रहा है? क्या यह बजट केवल कागजी खानापूरी और बड़े अधिकारियों व ठेकेदारों की जेबें भरने के लिए आया है?

200 मीटर दूर की जनप्रतिनिधि ही लाचार

चिकित्सा महाविद्यालय की संवेदनहीनता की यह खौफनाक बानगी मेडिकल कॉलेज से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत कुदरी से सामने आई है। कुदरी के वार्ड नंबर 11 की पंच सावित्री कुशवाहा अपनी सास की कमर की हड्डी टूटने पर इलाज के लिए शहडोल मेडिकल कॉलेज पहुंची थीं। कमर की हड्डी टूटी होने के कारण मरीज का एक-एक पल असहनीय दर्द में बीत रहा था। सोचिए, जो महिला खुद एक जनप्रतिनिधि है, जो अपने वार्ड के लोगों के सुख-दुख में हमेशा आगे रहती है, जब उसे अपने ही परिजनों के इलाज के लिए संभाग के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज में गिड़गिड़ाना पड़ रहा है और बेबस होकर अपनी सास को चादर के सहारे घसीटकर डॉक्टर तक ले जाना पड़ रहा है, तो अनूपपुर, उमरिया और दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से आने वाले गरीब, अशिक्षित आदिवासियों का यहाँ क्या हश्र होता होगा? इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

कमीशनखोरी में मग्न प्रबंधन, भगवान भरोसे मरीज!

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की इस घोर लापरवाही ने स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलकर रख दी है। अस्पताल में न तो वार्ड बॉय समय पर मिलते हैं, न ही व्हीलचेयर और स्ट्रेचर की कोई सुचारू व्यवस्था है। इमरजेंसी के बाहर स्ट्रेचर धूल फांक रहे होते हैं या गायब रहते हैं, और पूछने पर कर्मचारियों का रवैया अमानवीय होता है। जनप्रतिनिधि सावित्री कुशवाहा ने अस्पताल प्रशासन की इस तानाशाही और लचर व्यवस्था पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जब 200 मीटर दूर के स्थानीय लोगों को यह प्रताडना झेलनी पड़ रही है, तो दूर-दराज से आने वाले दूर-दराज के गरीबों का यहाँ क्या हाल होता होगा!

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विवि में मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष व्याख्यान आयोजित

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य को लेकर एक विशेष एवं प्रेरणादायी व्याख्यान का आयोजन किया गया। चिंता का रहस्यः मस्तिष्क का दोषपूर्ण चेतावनी तंत्र विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद व उद्यमी प्रणव दुबे ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। अपने प्रभावी और आकर्षक प्रेजेंटेशन से उन्होंने सभागार में मौजूद हर छात्र को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बिट्स पिलानी, क्वींन्स यूनिवर्सिटी (कनाडा) और स्वीडन से उच्च शिक्षा प्राप्त व स्विगी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में रणनीति सलाहकार रह चुके प्रणव दुबे ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि चिंता कोई बीमारी नहीं, बल्कि हमारे दिमाग का एक अलर्ट सिस्टम है।

जब यह तंत्र जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया देने लगता है, तब हम तनाव महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि सही समय पर आत्म-जागरूकता, सकारात्मक सोच, नियमित दिनचर्या और अपनों से संवाद स्थापित कर किसी भी मानसिक तनाव से आसानी से उबरा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने कहा कि नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि ऐसे आत्मविश्वासी और संवेदनशील नागरिक गढना है जो जीवन के हर मोड़ पर धैर्य और विवेक से काम ले सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ उनके मानसिक व भावनात्मक संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। कुलगुरु ने मुख्य वक्ता प्रणव दुबे को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

प्रो. प्रमोद पाण्डेय अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कहा विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण ही हर चुनौती को पार करने की असली कुंजी है। प्रो. प्रवीण शर्मा ने कहा मानसिक स्वास्थ्य पर बिना किसी झिझक के खुलकर चर्चा होना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रो. महेंद्र भटनागर ने कहा स्वस्थ मन ही रचनात्मकता का आधार है, इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ योग, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ें। वहीं प्रो. आशीष तिवारी कुलसचिव ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को ऐसा तनावमुक्त वातावरण देने के लिए कटिबद्ध है, जहाँ वे आत्मनिर्भर और नवाचार के लिए प्रेरित हो सकें।

खुद को पहचानें, अवसर कभी दस्तक देकर नहीं आता: शाह

पं. शंभूनाथ शुक्ला विवि में गूंजा भारतीय दर्शन का संदेश

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व निखार और जीवन मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक भव्य प्रेरणा उद्बोधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस गरिमामय समारोह ने विद्यार्थियों में नया उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा भर दी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे इंडियन प्लास्टिक्स इंस्टीट्यूट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ औद्योगिक विशेषज्ञ राकेश शाह ने भारतीय दर्शन विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि सफलता की पहली सीढ़ी आत्मचिंतन है। जो व्यक्ति खुद की क्षमताओं को पहचान लेता है, उसे आगे बढने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा प्रकृति सभी को समान अवसर देती है, जरूरत बस खुद को तैयार रखने की है। समय का सही उपयोग करने वाला ही वास्तविक विजेता बनता है। बीता समय कभी वापस नहीं आता, इसलिए आत्मविश्वास और साहस के साथ आगे बढ़ें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद साधा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उच्च स्तरीय शोध, शैक्षणिक और कौशल विकास संबंधी गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि यदि छात्र उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करें, तो यह संस्थान उनके जीवन की दिशा और दशा दोनों बदल सकता है। उन्होंने सभी छात्रों को अनुशासित, जिज्ञासु और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संकल्प दिलाया। वहीं परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम है, छात्र यहां की हर गतिविधि में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मनीषा शुक्ला द्वारा किया गया, जबकि कुशल संचालन खेल विभागाध्यक्ष डॉ. आदर्श तिवारी ने संभाला। अंत में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. चेतना सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक, अधिकारी एवं नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। पूरा परिसर भारतीय दर्शन और सकारात्मक ऊर्जा के जयघोष से सराबोर नजर आया।

अंधेहत्या काण्ड का पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा जादू-टोने के वहम में कुल्हाड़ी से उतारा मौत के घाट

शहडोल।

अंधविश्वास और वहम का भूत जब सिर पर सवार होता है, तो इंसानियत तार-तार हो जाती है। सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम चंदौरा (खर्री टोला) में ऐसा ही एक खौफनाक और रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है, जहां जादू-टोने के शक में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हालांकि, खुद को कानून से ऊपर समझने वाले आरोपी दंपति के मंसूबों पर सीधी पुलिस ने 24 घंटे के भीतर पानी फेर दिया और दोनों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

घटना 23 जुलाई की है, जब फरियादी गुड्डू सिंह गोंड ने थाने पहुंचकर अपने भाई राजबहोर सिंह गोंड उम्र 35 वर्ष की निर्मम हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई। आरोप था कि गांव के ही भीमसेन सिंह गोंड और उसकी पत्नी चंद्रकिरण सिंह ने राजबहोर पर जादू-टोना करने का बेबुनियाद शक जताया और उस पर कुल्हाड़ी (टांगी) से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वार इतना घातक था कि राजबहोर ने मौके पर ही तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीधी पुलिस ने बिना एक पल गंवाए अपराध क्रमांक 165/2026, भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया। घटनास्थल का बारीकी से मुआयना कर पंचनामा और पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी की गईं। थाना प्रभारी निरीक्षक सेवान्दर राम भगत की अगुवाई में गठित पुलिस टीम ने सरगर्मी से घेराबंदी की और 24 घंटे के भीतर ही

आरोपी भीमसेन सिंह गोंड उम्र 32 वर्ष और उसकी पत्नी चंद्रकिरण सिंह उम्र 28 वर्ष को धर दबोचा।

गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, तो आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई खून से सनी टांगी और वारदात के वक्त पहने गए रक्तरंजित कपड़े बरामद कर लिए गए। पुलिस ने दोनों को विधिवत गिरफ्तार कर जयसिंहनगर के माननीय न्यायालय में पेश कर दिया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। अंधविश्वास के इस सनसनीखेज खेल का त्वरित पटाक्षेप करने में सीधी थाना प्रभारी सेवान्दर राम भगत, सउनि अमेरिका दास, गुलाब सिंह, दयाराम दुबे, दीपक सिंह परिहार तथा आरक्षक सतीश सिंह, उदयभान सिंह, शुभम अखण्डे और अनिल सिंह तोमर की मुस्तैद कार्यशैली और महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मंदिर में चोरों ने लगाई सेंध

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर में खाकी का खौफ कितना खत्म हो चुका है, इसका ताजा प्रमाण वार्ड क्रमांक 9 स्थित दुर्गा मंदिर में देखने को मिला। बेखौफ बदमाशों ने इस बार सीधे 'माता रानी के दरबार' में ही धावा बोल दिया। चोरों ने मंदिर का ताला तोडक़र एम्प्लीफायर, मिक्सर मशीन और आस्था का प्रतीक त्रिशूल तक पार कर दिया।

हैरत की बात यह है कि पिछले महज 15 दिनों के भीतर चोरी की यह तीसरी वारदात है। चोर बेधडक़ आते हैं, हाथ साफ करते हैं और पुलिस को खुली चुनौती देकर चले जाते हैं। पूरी घटना सीसीटीवी में साफ-साफ कैद हो चुकी है, जिसमें चोर आराम से चहलकदमी करते दिख रहे हैं। ऐसा लगता है मानो उन्हें कानून का नहीं, बल्कि पुलिस की सुस्ती का पूरा भरोसा था।

स्थानीय निवासियों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। लोगों का साफ कहना है कि जयसिंहनगर पुलिस की 'रात्रिकालीन गश्त' केवल फाइलों और कागजों तक सीमित रह गई है। जब खाकी चैन की नींद सो रही हो, तब चोर नगर में अपनी 'नाइट ड्यूटी' मुस्तैदी से बजा रहे हैं। पुलिस अब फिर वही रटा-रटाया जवाब दे रही है कि 'मामला दर्ज कर सीसीटीवी के आधार पर जांच जारी है'। देखना यह है कि पुलिस कागजों से बाहर निकलकर चोरों तक कब पहुंच पाती है।

छात्रों पर लाठी भांजने का हिसाब मांगेगी भीम आर्मी

दिल्ली में जुल्म के खिलाफ शहडोल की सडक़ों पर उतरेगा जनाक्रोश

शहडोल। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे बेकसूर छात्रों पर बरसी पुलिसिया लाठियों का गूंजता दर्द अब शहडोल की सडक़ों पर आक्रोश बनकर फूटने को तैयार है। लोकतंत्र का ढोल पीटने वाली व्यवस्था में जब पढऩे-लिखने वाले युवाओं को बर्बरता से पीटा जाए, तो खामोशी खुद-ब-खुद जुर्म बन जाती है। इसी पुलिसिया जुल्म के खिलाफ भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने शहडोल में महासंग्राम का शंखनाद कर दिया है।

जिला संयोजक राजेश कुशवाहा के नेतृत्व में भीम आर्मी ने प्रशासन को चेतावनी भरा पत्र सौंपकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। शनिवार, 25 जुलाई को जय स्तम्भ चौक पर दोपहर 12 बजे से भीम आर्मी का बड़ा धरना-प्रदर्शन शुरू होगा। इसके बाद निकाली जाने वाली विशाल रैली जय स्तम्भ से शुरू होकर आंबेडकर चौक होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचेगी, जहां महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

भीम आर्मी नेताओं का सीधा और तल्ख सवाल है कि आखिर हक मांगने वाले छात्रों को अपराधी मानकर लाठियों से हांकने का हक सरकार को किसने दिया? इस प्रदर्शन से साफ संदेश दिया जाएगा कि युवाओं की आवाज दबाने वाली दमनकारी नीतियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब देखना यह है कि छात्रों पर बरसी लाठियों का हिसाब मांगने सडक़ पर उतर रहे इस आक्रोश से शहडोल का प्रशासनिक महकमा कैसे निपटता है।

युवाओं ने उठाई हुंकार, अब नशामुक्त बनेगा अपना धनपुरी, इनडोर स्टेडियम में गूंजा 'नशे से दूरी है जरूरी' का नारा

धनपुरी। नगर पालिका धनपुरी का इनडोर स्टेडियम आज एक ऐतिहासिक पल का साक्षी बना, जब सैकड़ों युवाओं और आम नागरिकों ने एक सुर में नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के कुशल निर्देशन में संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' जन-जागरूकता अभियान के तहत एक विशाल एवं भव्य कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस प्रेरणादायक आयोजन में धनपुरी के बालक हायर सेकेंडरी स्कूल, गल्र्स हायर सेकेंडरी स्कूल और रेड रोज स्कूल के विद्यार्थियों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। करीब 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी ने पूरे माहौल को ऊर्जावान बना दिया। पूरे स्टेडियम परिसर में युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने नशे के गर्त में धकेलती बुराइयों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाने का मार्ग दिखाया। विद्यार्थियों को समझाया गया कि एक नशामुक्त जीवन ही सफलता और खुशहाली की सच्ची चाबी है। उपस्थित जनसमुदाय को न केवल खुद नशे से दूर रहने, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का सबसे भावुक और प्रभावी क्षण वह रहा, जब पूरा स्टेडियम एक साथ नशामुक्ति की शपथ लेने के लिए खड़ा हुआ। सभी ने एक स्वर में अपने शहर, परिवार और दोस्तों को नशे के जाल से सुरक्षित रखने का वचन दिया। शहडोल पुलिस ने धनपुरी की जनता का आभार व्यक्त करते हुए अपील की है कि वे इस अभियान को केवल एक कार्यक्रम न समझें, बल्कि इसे एक जन-आंदोलन बनाकर स्वस्थ और सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

खैरहनी में पुलिस और खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, 60 ट्रॉली रेत जब्त

शहडोल।

जिले में प्राकृतिक संपदा की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए प्रशासन एक्शन मोड में नजर आ रहा है। नवागत पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल के कड़े रुख और कुशल नेतृत्व में पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम लगातार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रभावी कदम उठा रही है। इसी कड़ी में जैतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खैरहनी में मुस्तैद टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 60 ट्रॉली अवैध रेत का बड़ा जखीरा जब्त कर कानून का इकबाल बुलंद किया है।

खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले को खैरहनी गांव में बिना किसी वैध अनुमति के भारी मात्रा में रेत डंप किए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने बिना समय गंवाए रणनीति बनाई और सुरक्षा बलों तथा

पुलिस बल के साथ मौके पर दबिश दी। पुलिस की मौजूदगी से स्थल पर निष्पक्ष और सुरक्षित कार्रवाई सुनिश्चित हुई। जांच के दौरान टीम ने पाया कि कुछ रेत शासकीय भूमि पर फैलाई गई थी, जबकि कुछ रेत पिंकू महराज नामक व्यक्ति की निजी जमीन पर डंप थी। मौके पर मौजूद संबंधित पक्षों से जब रॉयल्टी व भंडारण से जुड़े वैध दस्तावेज मांगे गए, तो वे कोई भी कागजात प्रस्तुत करने में पूरी तरह असमर्थ रहे। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संयुक्त टीम ने पूरी 60 ट्रॉली रेत को तुरंत अपने कब्जे में ले लिया और आरोपियों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रक्रिया शुरू कर दी।

पुलिस अधीक्षक संजय अग्रवाल के स्पष्ट निर्देशों के तहत जिले में किसी भी तरह के अवैध खनिज कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनिज विभाग और पुलिस प्रशासन का यह आपसी तालमेल न केवल अवैध कारोबारियों के हौसले पस्त कर रहा है, बल्कि कानून-व्यवस्था को भी मजबूती दे रहा है। प्रशासन की इस समयबद्ध और सख्त कार्रवाई से स्थानीय निवासियों में भारी संतोष है। ग्रामीणों ने पुलिस व खनिज विभाग की इस साझा मुस्तैदी की खुलकर सराहना की है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में जिलेभर में ऐसे सघन चेकिंग अभियान और तेज किए जाएंगे, ताकि सरकारी राजस्व और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा पूरी निष्ठा के साथ की जा सके।

खबर संक्षेप

जिले में गत 24 घंटे में 1.7 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि गत 24 घंटे में 1.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 2.8 मिमी, मानपुर तहसील में 4.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील में 1.8 मिमी, चंदिया में 1.2 मिमी, करकेली तहसील में 1.6 मिमी की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 24 जुलाई तक 363.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 503.4 मिमी, मानपुर तहसील में 259.3 मिमी, पाली तहसील में 390.8 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 379.2 मिमी, चंदिया तहसील में 279.4 मिमी, करकेली तहसील में 445.6 मिमी, बिलासपुर तहसील में 288.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि तक 702.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 639.2 मिमी, मानपुर तहसील में 718.7 मिमी, पाली तहसील में646.1मिमी, नौरोजाबाद तहसील 638.6 मिमी, चंदिया तहसील में 810.7 मिमी, करकेली तहसील में 640 मिमी, बिलासपुर तहसील में 816.6 मिमी वर्षा शामिल है।

अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण कि शिकायतों के निराकरण के लिए दल गठित

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को दृष्टिगत रखते हुए अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही हेतु अधिकारियों, कर्मचारियों का दल गठित किया है। गठित दल में संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुविभागीय अधिकारी वन, अनुविभागीय अधिकारी बीटीआर, जिला परिवहन अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, सहायक खनि अधिकारी, सहायक खनि अधिकारी, प्रभारी खनि निरीक्षक शामिल है। उन्होंने कहा है कि जिले में मानसून सत्र की अवधि से 1 अक्टूबर तक के लिए जिले की सीमा में स्थित समस्त रेत खदानों, रेत धारित नदी-नालों, घाटों में खनन कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। जिससे खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन,भंडारण पर पूर्ण रूपेण रोकथाम हेतु पृथक-पृथक या संयुक्त रूप से शिकायती स्थलों की जाँच करें एवं प्रकरण पंजीबद्ध करें तथा खनिज कार्यालय की ओर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रेषित करें। इस बात का ध्यान रखा जाए कि जितनी मात्रा की ई-टीपी जारी की गई है, उससे अधिक परिवहन न हो।

चंदवार पंचायत में 8.34 लाख की पुलिया और सेग्रीगेशन शेड भ्रष्टाचार की भेंट

कागजों में विकास, धरातल पर बदहाली: चंदवार पंचायत में निर्माण कार्यों पर उठे सवाल

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चंदवार इन दिनों विकास कार्यों के नाम पर लूट-खसोट और संस्थागत भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी है। सरकारी खजाने को चूना लगाने के लिए यहां सरपंच, सचिव और उपयंत्री की ऐसी त्रिमूर्ति सक्रिय है, जिसे न तो कानून का खौफ है और न ही प्रशासन की निगरानी का डर। स्थिति यह है कि कागजों पर लाखों रुपये डकार कर धरातल पर अधूरी, घटिया और बेकार संरचनाएं खड़ी कर दी गई हैं।

न रिटर्न वॉल, न क्रॉस बैरियर

ग्राम पंचायत चंदवार के कोयला टोला में लगभग एक वर्ष पूर्व स्वीकृत 8 लाख 34 हजार रुपये की लागत से बनी पुलिया भ्रष्टाचार का जीता-जागता प्रमाण है। 24 जनवरी 2025 को स्वीकृत इस निर्माण कार्य में नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाते हुए काम तो पूरा घोषित कर दिया गया, लेकिन आज दिनांक तक न तो सुरक्षा के लिए क्रॉस बैरियर बनाए गए और न ही रिटर्न वॉल। तकनीकी मानकों के अनुसार, किसी भी पुलिया निर्माण के साथ रिटर्न वॉल और सुरक्षा बैरियर बनाना अनिवार्य होता है, लेकिन यहां जनता के पैसों से अपनी जेबें भरने का खेल खेला गया है। मौके की जमीनी हकीकत देखकर कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि इस निर्माण में बमुश्किल ढाई से तीन लाख रुपये ही खर्च हुए होंगे। बाकी का मोटा कमीशन किसकी जेब में गया, यह चंदवार के हर नागरिक की जुबान पर है।

निर्माण एजेंसी का बोर्ड नदारद

शासकीय नियमों के तहत किसी भी निर्माण कार्य के शुरू होने से पहले कार्यस्थल पर सूचना बोर्ड (साइनबोर्ड) लगाना अनिवार्य होता है। इस बोर्ड पर स्वीकृत राशि, मद का नाम, निर्माण एजेंसी और इंजीनियर का नाम सार्वजनिक करना होता है। लेकिन चंदवार पंचायत में यह पारदर्शी नियम हवा में उड़ा दिया गया है। कोयला टोला की पुलिया हो या अन्य निर्माण, किसी भी जगह सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया। जानकारी छुपाने का यह खेल कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि सुनियोजित साजिश है ताकि ग्रामीणों को यह पता ही न चल सके कि उनकी सुरक्षा के नाम पर कितना बजट आया था और कितना बंदरबांट कर लिया गया।

3.99 लाख का कचरा दान बना मवेशियों का चारागाह!

भ्रष्टाचार की यह दास्तान यहीं खत्म नहीं होती। कोइलहा टोला में सेममा चौधरी के घर के आगे बना मिनी सेग्रीगेशन शेड और कचरा दान भी इस भ्रष्टाचार की बलि चढ़ चुका है। 15वें वित्त आयोग की राशि से स्वीकृत वर्ष 2024-25, पूर्णता तिथि 14 अप्रैल 2026 इस निर्माण कार्य की लागत 3 लाख 99 हजार रुपये दर्शायी गई है, लेकिन धरातल पर लाखों की लागत से बना यह सेग्रीगेशन शेड और कचरा दान पूरी तरह अनुपयोगी साबित हो रहा है। जिस जगह कचरा एकत्र होना चाहिए था, वह अब आवारा मवेशियों का चारागाह बन चुका है। कचरे का नामोनिशान नहीं है, लेकिन कागजों में स्वच्छता अभियान का ढोल पीटकर बजट को ठिकाने लगा दिया गया। जब इन संरचनाओं का कोई जनहित में उपयोग ही नहीं था, तो आखिर शासन के लाखों रुपये पानी की तरह क्यों बहाए गए।

कागजी विकास बनाम धरातल का विनाश

एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आए दिन नई-नई जनकल्याणकारी योजनाएं लाकर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ चंदवार पंचायत के सरपंच, सचिव और उपयंत्री जैसी तिकड़ी सरकार की मंशा पर पानी फेर रही है। जब इस पूरे भ्रष्टाचार और गोलमाल के संबंध में चंदवार पंचायत सचिव कमलनयन पांडे से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो वे सीधे जवाब देने के बजाय बातें घुमाते नजऱ आए। उनका यह गोलमोल रवैया खुद-ब-खुद बयान कर रहा है कि दाल में काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है।

कलेक्टर और सीईओ से कार्रवाई की गुहार

ग्राम पंचायत चंदवार में जारी इस खेल पर अब कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से सीधी जनापेक्षा है। क्षेत्र के ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल एक निष्पक्ष जांच टीम गठित कर चंदवार के सभी निर्माण कार्यों की स्थलीय जांच कराई जाए। दोषी सरपंच, सचिव और जिम्मेदार इंजीनियर पर दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ गबन की गई राशि की वसूली की जाए, ताकि सरकारी पैसे को अपनी निजी जागीर समझने वाले भ्रष्टाचारियों को कड़ा सबक मिल सके।

इनका कहना है...

अभी हमें याद नहीं है एस्टीमेट देखकर ही बता पाएंगे।

धूपकली कोल
सरपंच

एक दिवसीय पैरालीगल वॉलेन्टियर प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं प्रियदर्शन शर्मा, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशन में एक दिवसीय पैरालीगल वॉलेन्टियर के लिये सी.आई.एस. एवं साइबर क्राईम के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रियदर्शन शर्मा के द्वारा सरस्वती मां के चित्र पर द्वीप प्रज्जलित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा कार्यक्रम के संबोधन में मोबाईल की उपयोगिता एवं इस मोबाईल के द्वारा दूसरे अन्य व्यक्तियों के द्वारा मोबाईल हैंक एवं पैसों आदि की चोरी के बारे में बताया गया, तथा समस्त पैरालीगल वॉलेन्टियर्स को सी.आई.एस. की उपयोगिता एवं साइबर क्राईम से बचने एवं दूसरे आमजन को प्रचार-प्रसार कर जागरूक होने हेतु संबोधित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मोहन डावर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया, दीपक कुमार अग्रवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, वीणा खलखो, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, आशीष धुर्वे, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, सुभांषु सोनी, प्रशिक्षु न्यायाधीश, संदीप सिंह, साइबर सेल, जिला उमरिया, सुवेद जायसवाल, जूनियर सिस्टम एनालिस जिला न्यायालय उमरिया, समस्त पैरालीगल वॉलेन्टियर्स, पत्रकार बंधु, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के समस्त कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कायक्रम की प्रथम पंक्ति में संदीप सिंह, साइबर सेल, द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के बारे में बताया, उनके द्वारा आई0टी0 एक्ट 2000 में सम्मिलित कुल 94 धाराओं के बारे में पैरालीगल वॉलेन्यिर्स को अगवत कराया। इसके अतिरिक्त साइबर अपराध के 5 प्रमुख बिन्दु जैसे- फिशिंग, रैंसमवेयर, पहचान की चोरी, मैलवेयर हमले, ऑनलाईन धोखाधड़ी और घोटाले के बारे में अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये।

कार्यक्रम की द्वितीय पंक्ति में सुवेद जायसवाल, जूनियर सिस्टम एनालिस जिला न्यायालय उमरिया द्वारा भारतीय न्यायपालिका में केस सूचना प्रणाली की उपयोगिता, ई-समिति, सी.आई.एस. सिस्टम संचालन, सी.आई.एस. मानक सर्वोत्तम कार्यप्रणाली एवं दिशा-निर्देश, सी.आई.एस. रक्षा, आव्रजन नीतियों, पर्यावरण संरक्षण और कानून प्रवर्तन से संबधित नीतियां, सी.आई.एस. के कार्य के बारे में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को बताया। कार्यक्रम का आभार मोहन डावर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया द्वारा किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालयों का किया निरीक्षण

उमरिया। जिले के शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अमरपुर एवं शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरेवा का जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के नामांकन की स्थिति, पाठ्यपुस्तकों के वितरण, साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति योजना के क्रियान्वयन, शिक्षकों की दैनिक डायरी के संधारण तथा संचालित शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार से अवलोकन किया गया। उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी अध्ययन संबंधी जानकारी भी प्राप्त की।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय के समस्त शिक्षकों को निर्देशित किया कि शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय पर पाठ्यपुस्तक, साइकिल एवं छात्रवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने दैनिक डायरी का नियमित एवं व्यवस्थित संधारण करने, शिक्षण कार्य को रुचिकर एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में निरंतर सुधार लाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों से सतत संपर्क बनाए रखें तथा बेहतर परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से अध्ययन-अध्यापन कराया जाए। साथ ही शासन द्वारा जारी सभी निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए विद्यालयों में अनुशासित, गुणवत्तापूर्ण एवं छात्र-केंद्रित शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के निर्देश दिए।

अमृत हरित महाअभियान के तहत राजनगर में वृहद वृक्षारोपण

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के तहत नगर के विभिन्न शासकीय संस्थानों एवं सार्वजनिक परिसरों में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान वार्ड क्रमांक-15 भलमुड़ी स्थित शासकीय महाविद्यालय राजनगर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर, शासकीय बालक छात्रावास सहित नगर के विभिन्न शासकीय परिसरों में पौधारोपण किया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन पनिका के निर्देशन में संपन्न हुआ। वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह, उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, लेखापाल राजेश मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पिछड़ा मोर्चा अनूपपुर के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, सुरेश गौतम, भाजपा मंडल महामंत्री सचिन द्विवेदी, एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष गोपाल चौधरी, भीम जायसवाल, एल्डरमैन श्रीमती सुनीता सिंह, मंडल मीडिया प्रभारी पंकज कुमार शर्मा, नगर परिषद के समस्त पार्षद, शासकीय महाविद्यालय राजनगर के प्राचार्य मयंक ठाकुर एवं महाविद्यालय स्टाफ, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की श्रीमती रिचा सिंह एवं स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ, नगर परिषद के कर्मचारी, स्थानीय पत्रकार, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी धरोहर भी हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुड़कर अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित देखभाल भी करें, ताकि राजनगर को हरित, स्वच्छ और पर्यावरण के प्रति जागरूक नगर के रूप में विकसित किया जा सके।

राजनगर रोड सेल यार्ड में कोयला प्रबंधन पर उठे सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग तेज

स्थानीय लोगों ने व्यवस्था में अनियमितताओं के लगाए आरोप

अनूपपुर। राजनगर रोड सेल यार्ड में कोयले के प्रबंधन और लोडिंग व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र के कुछ ट्रांसपोर्टरों एवं स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि रोड सेल व्यवस्था में अनियमितताएं हो रही हैं, जिससे कंपनी को आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार कोयले के इस अवैध और छटाई और पैसे के लेनदेन का मास्टरमाइंड रोड सेल इंचार्ज और उप क्षेत्रीय प्रबंधक की पूरी मिली भगत की आशंका जताई जा रही है जिसकी स्थानीय लोगों ने महाप्रबंधक हसदेव क्षेत्र, विजिलेंस बिलासपुर, सीएमडी बिलासपुर और कोल इंडिया के अध्यक्ष और कोयला मंत्री से जांच की मांग की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उनका कहना है कि यदि जांच में किसी अधिकारी, कर्मचारी या अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। लोगों ने यह भी मांग की है कि रोड सेल व्यवस्था की निगरानी, गुणवत्ता जांच तथा लोडिंग प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए ताकि किसी भी प्रकार की आशंका या विवाद की स्थिति समाप्त हो सके। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से भी तथ्यात्मक स्पष्टीकरण लिया जाना आवश्यक है, जिससे सभी पक्षों का दृष्टिकोण सामने आ सके। यदि भविष्य में किसी सक्षम एजेंसी की जांच में किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय होती है, तो उसके आधार पर उचित कार्रवाई की जा सकती है।

थाना प्रभारी लाल बहादुर तिवारी को भावभीनी विदाई

अमरकंटक। पुलिस थाना अमरकंटक में शुक्रवार को थाना प्रभारी लाल बहादुर तिवारी के स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। लगभग दो वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा पुलिस और आमजन के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण हुआ, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सशक्त हुई। विदाई समारोह में अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने श्री तिवारी के सरल, सौम्य और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान निष्पक्ष एवं संवेदनशील कार्यशैली से पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत किया और आमजन का विश्वास अर्जित किया। उनका सहयोगात्मक व्यवहार और जनहित के प्रति समर्पण लंबे समय तक याद किया जाएगा। समारोह के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर श्री तिवारी का सम्मान किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भावुक माहौल में श्री तिवारी ने अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अमरकंटक की जनता से उन्हें सदैव स्नेह, सम्मान और सहयोग मिला, जिसे वे जीवनभर स्मरण रखेंगे।

नगर परिषद अमरकंटक में नव नियुक्त एल्डरमैन एवं मनोनीत पार्षदों का सम्मान समारोह संपन्न

अमरकंटक। नगर परिषद अमरकंटक में नव नियुक्त एल्डरमैन एवं मनोनीत पार्षदों के सम्मान में आयोजित समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नगर परिषद के अधिकारियों, पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। समारोह में नव नियुक्त मनोनीत पार्षदों का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं सम्मान प्रतीक भेंट कर अभिनंदन किया गया तथा उनके सफल एवं जनहितैषी कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व अमरकंटक विकास प्राधिकरण अध्यक्ष अंबिका प्रसाद तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि नगर के समग्र विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव नियुक्त एल्डरमैन एवं मनोनीत पार्षद जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अमरकंटक के विकास में सक्रिय योगदान देंगे। विशिष्ट अतिथि एवं नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रामगोपाल द्विवेदी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधि जनता और प्रशासन के बीच सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। नगर के विकास और जनहित के कार्यों को गति देने के लिए सभी को समन्वय एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना चाहिए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते ने नव नियुक्त सदस्यों का स्वागत करते हुए नगर परिषद द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग एवं समन्वय से नगर के विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। समारोह में नव नियुक्त मनोनीत पार्षद सूरज साहू, समीर मानिकपुरी, भगत चंद्रवंशी एवं राजेश बर्मन का पुष्पमालाओं एवं सम्मान प्रतीकों के साथ अभिनंदन किया गया। सम्मानित सदस्यों ने नगर के विकास, स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर राजेंद्र चतुर्वेदी, धनंजय तिवारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोशन पनारिया, पार्षद दिनेश द्विवेदी, सुखनंदन सिंह, सावित्री सिंह, सांसद प्रतिनिधि प्रकाश द्विवेदी, कन्ना नायक, रुपेश द्विवेदी, उषा पाण्डेय, रणजीत सिंह, मथुरा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पत्रकार जगत से उमाशंकर पाण्डेय मुन्नू, श्रवण उपाध्याय, सोमू दुबे एवं अंजय तिवारी की उपस्थिति भी रही। कार्यक्रम का संचालन सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में हुआ। अंत में भाजपा मंडल अध्यक्ष रोशन पनारिया ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह आपसी सौहार्द, जनसेवा के संकल्प और नगर विकास के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

फर्जी पत्रकारों का फैला मायाजाल

ब्यौहारी। क्षेत्र में इन दिनों फर्जी पत्रकारों का बोलबाला है उनके द्वारा मोबाइल और डिजिटल माध्यम से फर्जी खबरें प्रकाशित कर ब्लैकमेलिंग अवैध वसूली जैसे कारनामों को अंजाम दिया जा रहा है ऐसे लोगों के खिलाफ थानों में कई मामले दर्ज है अधिकारियों पर दबाव बनाकर मन मुताबिक कार्य करना चाहते हैं और व्यक्तिगत लोगों को परेशान करने के लिए खबरें प्रकाशित करते हैं सीएम हेल्पलाइन में झूठी शिकायत भी करवाते हैं उनको जनता की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं सिर्फ पैसे ऐठना, लोगों को परेशान करने से मतलब है क्षेत्र के लोगों ने कलेक्टर से ब्यौहारी क्षेत्र के पत्रकारों का पुलिस वेरिफिकेशन कराये जाने की मांग की है।

डीपीओ ने आंगनबाड़ी केंद्र और NRC निरीक्षण

विजयराघवगढ़। जिला कार्यक्रम अधिकारी,महिला एवं बाल विकास , कटनी,अब्दुल गफ्फार द्वारा परियोजना विजयराघवगढ़ अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र मेहगांव, अमेहटा का निरीक्षण किया गया। इस दौरान परियोजना अधिकारी संतोष कुमार अग्रवाल की उपस्थिति थे।इस दौरान उपस्थित बच्चों से उनसे पढ़ाई और पोषण संबंधित जानकारी ली,और सभी बच्चों को अपनी तरफ से टॉफियां वितरित की,उसके बाद शासकीय अस्पताल विजयराघवगढ़ में NRC सेंटर का विजिट किया,जिस दौरान बीएमओ विनोद कुमार भी थे,इस दौरान एडमिट बच्चों के कुपोषण से संबंधित जानकारी ली और उनके प्रगति,उनको दिए जाने वाला भोजन,और दवाइयों की जानकारी ली एवं संतुष्टि व्यक्त किया।

अलग अलग कारणों से महिला सहित 4 की मौत

कटनी। कोतवाली थाना अंतर्गत बालाजी नगर में दमोह जिले के ग्राम रसल्ली सोजाना निवासी लक्ष्मन सेन 29 वर्ष ने किराए के मकान में अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस ने मर्ग दर्ज किया है। एन.के.जे. थाना क्षेत्र के दुर्गा चौक स्थित अपनी डीजे साउंड की दुकान में उन्नत केशरवानी 25 वर्ष निवासी शास्त्री कॉलोनी ने 22 जुलाई की देर रात फांसी लगा ली। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच में लिया है। इसी तरह बहोरीबंद के वार्ड क्रमांक 07 में 80 वर्षीय घसीटा चौधरी घर के आंगन में अज्ञात कारणों से सिर पर गंभीर चोट की हालत में मिले थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बहोरीबंद थाना के ग्राम डुडसरा निवासी दुर्गा पटेल 36 वर्ष गिरने के कारण सिर में आई गंभीर चोट से घायल हो गई थीं। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

ई.व्ही.एम. एवं व्हीव्हीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण 31 जुलाई को

कटनी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर ई.व्ही.एम. एवं व्हीव्हीपैट के जिला स्तरीय वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण (बंद कर वेयरहाउस) 31 जुलाई को सायं 5 बजे राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की मौजूदगी में किया जायेगा। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र कुमार पटेल ने भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह (ग्रामीण) एवं अमित शुक्ला (शहर) और बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष डी सी राम को निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

जिले में अब तक 320.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज, बीते वर्ष से कम बारिश

कटनी। जिले में 1 जून से 23 जुलाई तक कुल 320.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 613.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 772.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है,

धनपुरी में गूँजा नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 का संदेशः इनडोर स्टेडियम में जुटे हजारों लोग, ली नशे के ख़िलाफ़ शपथ

शहडोल। कोयलांचल नगरी धनपुरी में प्रदेश व्यापी नशें से दूरी है जरुरी जागरुकता अभियान के तहत शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ.संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे ₹नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0₹ जन-जागरूकता अभियान के तहत नगरपालिका धनपुरी के इनडोर स्टेडियम में एक विशाल एवं व्यापक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रे के द्वारा आयोजित किया गया।

इस जन जागरुकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना और एक स्वस्थ, सुरक्षित तथा नशा-मुक्त वातावरण का निर्माण करना था।

विद्यार्थियों और नागरिकों का दिखा उत्साह

कार्यक्रम में स्थानीय युवाओं और स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें मुख्य रूप से शामिल रहेः

बालक हायर सेकेंडरी स्कूल, धनपुरी के छात्र

गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, धनपुरी की छात्राएँ

छात्र-छात्राओं के अलावा कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रबिंदर कौर छाबड़ा, नगर पालिका उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल,जन प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और स्थानीय निवासियों सहित लगभग हजारों लोगों की गरिमामई उपस्थिति रही।

नशा-मुक्ति का संदेश और शपथ

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जागरूकता का आह्वानः सभी से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी इसके ख़िलाफ़ जागरूक करें।

सामूहिक शपथः कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को नशा-मुक्त समाज के निर्माण और स्वयं नशा न करने की नशा-मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

शहडोल पुलिस की अपीलः

शहडोल पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने नागरिकों से आग्रह करते हुए कहाकि नशे के ख़िलाफ़ चलाए जा रहे इस जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएँ और एक स्वस्थ, सुरक्षित तथा नशा-मुक्त समाज के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दें।

शौक से शुरू होता है नशा, फिर जिंदगी को कर देता है तबाह

धनपुरी में नशामुक्ति का जनसैलाबः एसपी

अग्रवाल ने विद्यार्थियों से कहा— नई पीढ़ी बचेगी तभी नशामुक्त बनेगा भारत

धनपुरी। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई 2026 तक चलाए जा रहे ₹नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0₹ अभियान के तहत शुक्रवार को धनपुरी में नशामुक्ति को लेकर ऐतिहासिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर के विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर नगर के प्रमुख मार्गों पर विशाल जागरूकता रैली निकाली। रैली का समापन इंडोर स्टेडियम में हुआ, जहां आयोजित जनसभा में शहडोल पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा, नगर पालिका उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल तथा बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्य आभा दवे उपस्थित रहीं। मंच पर एसडीओपी विकास पांडे, धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह, अमलाई टीआई, बुढ़ार टीआई सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

नगर की सड़कों पर गूंजा नशामुक्ति का संदेश

सुबह से ही विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं रैली में शामिल हुए। ₹हमारा है यही संदेश, नशामुक्त हो मध्यप्रदेश₹, ₹नशे से दूरी है ज़रूरी₹ जैसे नारों से पूरा नगर गूंज उठा। विद्यार्थियों ने लोगों से नशे का त्याग करने और स्वस्थ समाज के निर्माण में भागीदार बनने की अपील की। जगह-जगह नागरिकों ने रैली का स्वागत कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

एसपी बोले— पहली बार शौक, फिर आदत और आखिर में लत

पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर शौक से होती है। व्यक्ति सोचता है कि वह इसे नियंत्रित कर लेगा, लेकिन धीरे-धीरे वही शौक उसकी आदत और फिर लत बन जाता है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति का स्वास्थ्य, परिवार, भविष्य और समाज—सब कुछ बर्बाद कर देता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज नशे का प्रभाव युवकों के साथ-साथ युवतियों तक भी पहुंच रहा है, जिसे रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवार तथा समाज के अन्य लोगों को भी इस बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। ₹यदि हमारी नई पीढ़ी नशे से मुक्त रहेगी, तभी देश का भविष्य सुरक्षित और सशक्त होगा।₹

'नशा' का अर्थ ही है 'नाश' : एसडीओपी विकास पांडे

एसडीओपी विकास पांडे ने कहा कि 'नशा' शब्द 'नाश' से निकला है। नशा केवल एक व्यक्ति का जीवन नहीं बिगाड़ता, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जीवन में अनुशासन, शिक्षा और अच्छे संस्कारों को अपनाएं तथा हर प्रकार के नशे से दूर रहें।

विद्यार्थियों को दिलाई शपथ, बांटे गए लंच पैकेट

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। पुलिस अधिकारियों ने नशे के दुष्परिणामों, युवाओं की जिम्मेदारी और सामाजिक सहभागिता पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों को लंच पैकेट वितरित किए गए।

पत्रकार और गणमान्य नागरिक भी रहे मौजूद

कार्यक्रम में पत्रकार राजू अग्रवाल, एस.पी. सिंह, लक्ष्मण सोनी, मोहम्मद शफीक सहित नगर के अनेक पत्रकार, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बड़ी संख्या मौजूदगी रही मंच संचालन अजय द्विवेदी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान किया।

हेल्पलाइन नंबर भी किए गए साझा

कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए गए, ताकि जरूरतमंद लोग समय पर सहायता प्राप्त कर सकें।

मानस हेल्पलाइनः 1933

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य/सुसाइड हेल्पलाइनः 14416

नशामुक्त भारत हेल्पलाइनः 14446

मध्यप्रदेश पुलिस का यह अभियान 30 जुलाई तक पूरे प्रदेश में जारी रहेगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए समाज में नशामुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा करना है।

धनपुरी ने किया अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद को शत-शत नमन

120वीं जयंती पर प्रतिमा पर माल्यार्पण, गूंजे राष्ट्रभक्ति के नारे, युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान

धनपुरी। देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती गुरुवार को नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। नगर के हृदय स्थल आजाद चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, नगर के गणमान्य नागरिकों एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारियों ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद केवल एक महान क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि साहस, स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया और अंतिम सांस तक अंग्रेजी हुकूमत के सामने झुकने के बजाय वीरगति को स्वीकार किया। उनका संघर्ष आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान ₹शहीद चंद्रशेखर आजाद अमर रहें₹, ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम्₹ के जोशीले नारों से पूरा आजाद चौक देशभक्ति के रंग में रंग गया। इस अवसर पर आनंद मोहन जायसवाल, बृजवासी अग्रवाल, सलीम, पूर्व पार्षद, डॉ. विजय सिंह, विनोद रजक सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी तथा नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर अमर शहीद के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद के जीवन, संघर्ष और बलिदान से प्रेरित करना तथा उनमें राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और देशसेवा की भावना को सशक्त बनाना रहा। समारोह का समापन राष्ट्रगान और भारत की एकता-अखंडता के संकल्प के साथ हुआ।

नशा मुक्ति जनजागरूकता को लेकर जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन एवं मेरा युवा भारत के सहयोग से रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय, उमरिया में जिला स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सकारात्मक सामाजिक संदेश देना था। जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न स्कूलों, महाविद्यालयों एवं अन्य गैर-सरकारी संस्थानों के छात्र-छात्राओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगिताओं में लघु फिल्म, स्लोगन लेखन, चित्रकला, वाद-विवाद, संगीत, लोकगीत, नृत्य, नाटक एवं काव्य पाठ जैसी विधाओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने किशोर एवं युवाओं में नशे से दूरी बहुत जरूरी विषय पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां देकर जनजागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक बुद्धराम राहंगडाले, जिला क्वालिटी मॉनिटर तरुण बबनिया एवं डॉ. संध्या कुशवाहा उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित निगम, पूर्व प्राचार्य डॉ. ऋषिराज, डॉ. विमल मरावी, डॉ. अरविंद सिंह वरकड़े, डॉ. संध्या कुशवाहा सहित महाविद्यालय का स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।*

प्रभारी मंत्री ने जिला स्तरीय समितियों, बोर्ड में किया अशासकीय सदस्य नामांकित

उमरिया। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण एवं जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान ने 9 विभागों में 17 अशासकीय सदस्यों को नमांकित किया है। जारी आदेश अनुसार उद्यानिकी विभाग में एकीकृत बागवानी विकास समिति के लिए अशोक तिवारी,जेल विभाग केन्द्रीय जेल में अशासकीय संदर्शक समिति के लिए अरविंद बंसल, नारेंद्र गिरी गोस्वामी, बहादुर सिंह, राम सुशील मिश्रा, राजेन्द्र तिवारी, जेल विभाग में विजिटर बोर्ड समिति के लिए मिथिलेश मिश्रा, राजेश मिश्रा, रामनारायण पयासी, पुष्पेन्द्र गौतम, पशु चिकित्सा सेवा विभाग में जिला पशु रोगी कल्याण समिति के लिए अरविंद प्रसाद चतुर्वेदी, अमीश तिवारी, स्कूल शिक्षा विभाग में जिला स्तरीय नियुक्ति समिति के लिए अनुजा पटेल, ओम नारायण सिंह, ज्ञानेन्द्र शुक्ला, जिला स्तरीय अनुदान समिति के लिए उमेश मिश्रा, अर्जुन त्रिपाठी, विजय रजक, जिला स्तरीय निर्माण समिति के लिए विपिन विश्वकर्मा , आदित्य छादा, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र में जिला स्तरीय टास्क फोर्स प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत गठित समिति के लिए बेला सिंह , सावित्री सिंह, सुश्री मीना सिंह शामिल है।

इसी तरह लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग में रोगी कल्याण समिति के लिए मनीष सिंह, सरजू अग्रवाल, जिला टीवी फोरम के लिए सुमित गौतम, कैलाश व्दिवेदी, आदिम जाति कल्याण समिति में अनुसूचित जाति, जन जाति जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति के लिए मनोज सिंह, देवीदीन आमाडोगरी, नत्थू सिंह, पुरूर्षोत्तम कोल, लोकनाथ सिंह, रामा कोल, गोरे सिंह, ओमशंकर बैगा, जिला स्तरीय सतर्कता समिति के लिए विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह, विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में जिला उपभोक्ता फोरम क्रमांक 1 के लिए सावित्री चौधरी, मीना सिंह, जिला उपभोक्ता क्रमांक 2 के लिए द्रोपती कोल, शैलेंद्र सिंह, योजना , आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में नगर स्तरीय समिति नगर पालिका के लिए केशव यादव, अतुल जैन, रानी बर्मन, शंकर बर्मन, धमेन्द्र गुप्ता, कपूरिया बाई, राकेश दर्दवंशी, लवकुश बर्मन, मुन्नी गुप्ता, दीपू तिवारी, ओमप्रकाश बर्मन, अनिल चौधरी, उषा प्रजापति, राहुल गौतम, धीरेंद्र गिरी, सुशील प्रजापति, सुनील बर्मन, मनोज विश्वकर्मा, शंभू लाल रैदास, कुंदन कुशवाहा, हितेश मिहानी , नगर स्तरीय समिति नगर परिषद के लिए प्रकाश तिवारी, सुंदरलाल यादव, सुमन गौतिया, शेभेलाल जायसवाल, संतोषी लहरे, सुनील विश्वकर्मा, योगेंद्र सिंह, विकासखंड स्तरीय समिति के लिए दीनानाथ सिंह, कमलेंद्र सिंह, अशोक तिवारी, भूपेन्द्र व्दिवेदी, राम सुजान झारिया, प्रमोद सिंह मार्को, राजभान सिंह,ईश्वर सिंह, ब्रजकिशोर साहू, बुंदा बाई झारिया,बीना बाई, दुखीलाल यादव, मदन साहू, संतोष सिंह, मनीराम तिवारी, मनीराम नापित, सीताशरण बैगा, रूपलाल राय, नत्थू सिंह, निर्मला सिंह, हीरा नायक शामिल है।

कनिष्ठ अधिकारियों के मध्य विकासखंडवार, अनुविभागवार, तहसीलवार हुआ कार्य विभाजन

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने सुजीत परस्ते एवं प्रदीप कुमार परस्ते कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की पदस्थापना होने के फलस्वरूप प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से जिले में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों के मध्य विकासखंडवार, अनुविभागवार, तहसीलवार कार्य विभाजन किया है।

उन्होंने सुजीत परस्ते कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को अनुविभाग बांधवगढ, विकासखण्ड करकेली के अंतर्गत तहसील बांधवगढ, चंदिया, बिलासपुर, करकेली एवं नगरीय क्षेत्र उमरिया एवं चंदिया के अंतर्गत समस्त विभागीय कार्य, अनुभाग राजस्व के समस्त विभागीय एवं न्यायालयीन कार्य, समय समय पर सौपे गये अन्य कार्य, जागृति प्रजापति को अनुविभाग पाली अंतर्गत अनुविभाग पाली विकासखंड पाली अंतर्गत तहसील पाली एवं नौरोजाबाद एवं नगरीय क्षेत्र पाली एवं नौरोजाबाद अंतर्गत समस्त विभागीय कार्य, अनुभाग राजस्व के समस्त विभागीय एवं न्यायालयीन कार्य, समय समय पर सौपे गये अन्य कार्य तथा प्रदीप कुमार मिश्रा को अनुविभाग मानपुर विकासखंड मानपुर अंतर्गत तहसील मानपुर एवं नगरीय क्षेत्र अंतर्गत समस्त विभागीय कार्य, अनुभाग राजस्व के समस्त विभागीय एवं न्यायालयीन कार्य सौपे गये है।

कलेक्टर श्रीमती सहाय ने कहा है कि सी.एम.हेल्पलाईन में लेवल 1 से लेवल 4 तक की विभागीय प्राप्त समस्त शिकायतो की तथ्यात्मक जांच कर सी.एम.हेल्पलाईन के पोर्टल पर निराकरण दर्ज कराना एवं शिकायत का संतुष्टि पूर्वक बंद कराना सुनिश्चित करेंगें। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रतिमाह अग्रिम दौरा कार्यक्रम संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से अनुमोदित कराकर अपने प्रभार क्षेत्र में भ्रमण कर विभागीय समस्त कार्यों का सतत निरीक्षण/जांच करेंगें एवं अग्रिम दौरा कार्यक्रमध्टूर डायरी की एक प्रति इस कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायेंगें। विभागीय गठित सतर्कता समितियों को अद्यतन कर प्रतिमाह समितियों की नियमित समीक्षा बैठकों का आयोजन कराकर उसकी जानकारी पोर्टल पर अपलोड कराना । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत कार्यक्षेत्र की समस्त उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों क दुकान के पीओएस मशीन से एक सप्ताह के अंदर ईकेवायसी कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगें। उपरोक्त कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अपने कार्य प्रभार क्षेत्र के अंतर्गत प्रदीय दायित्वों एवं कर्तव्यों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगें।

खबर संक्षेप

बरसात में भी निर्बाध सेवाएं दें सकेंगे कर्मचारी, नगर परिषद बनगवां ने वितरित किए रेनकोट

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने वर्षा ऋतु में भी नगर की आवश्यक सेवाएं सुचारु रूप से संचालित रखने के उद्देश्य से परिषद के स्वच्छता मित्रों, प्लंबर, ट्रैक्टर चालकों, इलेक्ट्रीशियन तथा अन्य आवश्यक कार्यों में लगे कर्मचारियों को वाटरप्रूफ रेनकोट वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों को बारिश के दौरान सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण में कार्य करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। रेनकोट वितरण कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका, नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह, जिला पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह, मंडल मीडिया प्रभारी पंकज कुमार शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, नगर परिषद के कर्मचारी एवं पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने कर्मचारियों को रेनकोट वितरित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और कहा कि नगर की स्वच्छता एवं नागरिक सुविधाओं को बनाए रखने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बारिश के मौसम में भी वे पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। रेनकोट प्राप्त करते ही कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी। कर्मचारियों ने नगर परिषद के इस प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। अब वे तेज बारिश के दौरान भी बिना किसी असुविधा के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे, जिससे नगर की आवश्यक सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी।

मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति, हर दिन हादसे का खतरा

15 साल में दम तोड़ गई प्रधानमंत्री सड़क

गांव के भीतर सीसी सड़क उखड़ी तो बाहर नई डामर परत भी एक साल में बह गई

रेउला से पकरिहा तक 5 किमी सड़क बदहाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सड़कों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। रखरखाव के अभाव और विभागीय उदासीनता के कारण कई सड़कें समय से पहले ही जर्जर हो चुकी हैं। ऐसा ही मामला कोतमा जनपद क्षेत्र के रेउला से पकरिहा तक जाने वाली लगभग 5 किलोमीटर लंबी प्रधानमंत्री सड़क का सामने आया है, जहां सड़क की बदहाली से ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया है और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब 15 वर्ष पहले प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इस सड़क का निर्माण कराया गया था। गांव के भीतर नवा टोला से केउटा बांध तक लगभग एक किलोमीटर सीसी सड़क बनाई गई थी, जो अब पूरी तरह उखड़ चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं, गिट्टियां बाहर निकल आई हैं और कई हिस्सों में सड़क की पहचान तक मुश्किल हो गई है।

अच्छी सड़क पर चढ़ा दिया डामर, जर्जर हिस्से की अनदेखी

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के बाहर पकरिहा तक बनी डामरीकृत सड़क पहले अच्छी स्थिति में थी, लेकिन पिछले वर्ष बरसात के दौरान विभाग ने उसी सड़क पर दोबारा डामर की परत चढ़ा दी। इसके विपरीत गांव के भीतर सबसे अधिक जर्जर सीसी सड़क को पूरी तरह नजर अंदाज कर दिया गया। परिणाम यह हुआ कि जिस सड़क पर नया डामर बिछाया गया था, वह भी एक ही बारिश में उखड़ गई और अब वहां केवल गिट्टियां दिखाई दे रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग वास्तव में मरम्मत करना चाहता तो सबसे पहले गांव के भीतर की टूटी सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाता, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

एक दर्जन गांवों का संपर्क, फिर भी नहीं सुध

रेउला से पकरिहा मार्ग क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसी रास्ते से ग्रामीण, किसान, विद्यार्थी और मरीज प्रतिदिन आवागमन करते हैं। सड़क पर बने गड्ढों और उखड़ी गिट्टियों के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। रात के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब गड्ढे दिखाई नहीं देते और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

सरपंच बोले प्रस्ताव भेजा, फिर भी नहीं मिली मंजूरी

ग्राम पंचायत रेउला के सरपंच सुकुल सिंह ने बताया कि गांव के भीतर की सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। ग्राम पंचायत ने सड़क निर्माण के लिए जनपद पंचायत को प्रस्ताव भी भेजा था। पिछले वर्ष जून में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने स्थल निरीक्षण किया, लेकिन यह कहते हुए निर्माण की स्वीकृति नहीं दी कि सड़क अभी चलने योग्य है। जबकि वर्तमान में सड़क की स्थिति बेहद खराब है और उसका पुनर्निर्माण अत्यंत आवश्यक हो गया है।

ग्रामीण बोले सड़क नहीं, गड्ढों का रास्ता बचा

पकरिहा निवासी रमेश यादव ने बताया कि उसके घर के सामने से गुजरने वाली सीसी सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। जगह-जगह बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि सड़क का शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाना चाहिए। वहीं रेउला निवासी दुर्गा सिंह का कहना है कि गांव के बाहर डामर सड़क पर नई परत चढ़ाने के बावजूद वह पहली ही बारिश में उखड़ गई। अब पूरी सड़क पर गिट्टियां फैली हुई हैं और आए दिन दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। गांव के भीतर की सीसी सड़क भी पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, लेकिन विभाग की ओर से कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों से मांग की है कि रेउला से पकरिहा मार्ग का तकनीकी परीक्षण कराते हुए गांव के भीतर की जर्जर सीसी सड़क का पुनर्निर्माण तथा पूरे मार्ग की गुणवत्ता की जांच कराई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

स्कूल वैनों में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़

पुलिस कार्रवाई के बाद फिर बेखौफ दौड़ रहे नियम विरुद्ध वाहन

हाईकोर्ट और शासन के सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी

सात सीटर वैन में 20 से 25 बच्चों को भरकर किया जा रहा परिवहन

अनूपपुर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग की सख्ती के बावजूद जिले में कई निजी स्कूल वैन संचालक नियमों को दरकिनार कर मासूमों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। हाल ही में पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देश पर यातायात पुलिस द्वारा स्कूल वाहनों की सघन जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों पर चालानी कार्रवाई की गई थी। उस दौरान बिना आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के चल रहे वाहनों पर जुर्माना लगाया गया और भविष्य में सभी सुरक्षा मानकों का पालन करने की कड़ी चेतावनी भी दी गई थी। लेकिन अभियान समाप्त होते ही कई वाहन संचालक फिर से पुराने ढर्रे पर लौट आए हैं। जानकारी के अनुसार चचाई से स्कूल तथा दोपहर में स्कूल से वापस चचाई तक चलने वाली कुछ निजी वैनों में क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन किया जा रहा है। सात सीटर वैन में 20 से 25 बच्चों को ठूंस-ठूंसकर बैठाया जा रहा है, जिससे किसी भी दुर्घटना की स्थिति में गंभीर जनहानि की आशंका बनी रहती है। बच्चों को सुरक्षित ढंग से बैठाने के बजाय अधिक से अधिक सवारियां भरकर आर्थिक लाभ कमाने पर जोर दिया जा रहा है।

अभिभावकों की आपत्ति भी बेअसर

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब अभिभावक अधिक बच्चों को बैठाने पर आपत्ति जताते हैं तो कुछ वाहन संचालक साफ कह देते हैं कि यदि व्यवस्था पसंद नहीं है तो वे स्वयं अपने बच्चों को स्कूल छोड़ें। स्कूलों में पर्याप्त अधिकृत वाहनों की व्यवस्था नहीं होने का लाभ उठाकर ऐसे संचालक मनमानी कर रहे हैं और अभिभावकों की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं। शिकायत के अनुसार जिन वाहनों से बच्चों का परिवहन किया जा रहा है, उनमें से कई का आरटीओ में पंजीयन व्यावसायिक (कमर्शियल) नहीं बल्कि निजी (प्राइवेट) श्रेणी में है। इसके बावजूद इनका उपयोग नियमित रूप से स्कूल वैन के रूप में किया जा रहा है, जो परिवहन नियमों का उल्लंघन माना जाता है।

सुरक्षा मानकों का नहीं हो रहा पालन

उच्च न्यायालय तथा शासन द्वारा स्कूल वाहनों के लिए निर्धारित सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। अधिकांश वाहनों में पीला रंग, स्कूल वाहन का स्पष्ट उल्लेख, खिड़कियों पर सुरक्षा जाली, चालक का नाम एवं मोबाइल नंबर, प्रशिक्षित परिचालक अथवा महिला अटेंडेंट, प्राथमिक उपचार किट, वैध अग्निशामक यंत्र, स्पीड गवर्नर, सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस, विद्यार्थियों की सूची, अभिभावकों के संपर्क विवरण और निर्धारित क्षमता के अनुरूप बच्चों को बैठाने जैसी अनिवार्य व्यवस्थाएं नहीं हैं। इससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर

गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कार्रवाई के बाद फिर लौट आई लापरवाही

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पुलिस की जांच के दौरान कुछ दिनों तक नियमों का पालन होता दिखाई दिया, लेकिन अभियान समाप्त होते ही स्थिति फिर पहले जैसी हो गई। कई वाहन संचालक बेखौफ होकर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि नियमित और लगातार जांच नहीं हुई तो ऐसी लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। अभिभावकों और नागरिकों ने जिला प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग से मांग की है कि स्कूल वाहनों के विरुद्ध केवल औपचारिक अभियान चलाने के बजाय नियमित जांच की जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के परमिट और पंजीयन की जांच कर कठोर कार्रवाई की जाए तथा क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन करने वाले वाहनों को तत्काल जब्त किया जाए। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा किसी भी स्थिति में समझौते का विषय नहीं हो सकती और इस मामले में संबंधित विभागों को लगातार निगरानी रखनी चाहिए।

कांग्रेस का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे सहित उठाईं चार प्रमुख मांगें

कोतमा। जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर ने शुक्रवार को शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं, छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों तथा प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में गांधी चौक, कोतमा में धरना-प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक मनोज कुमार अग्रवाल, जनपद सदस्य रेखा राठौर, जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, पंचायती राज संगठन की जिला अध्यक्ष संध्या वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष मिश्रा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा तथा विधानसभा अध्यक्ष मो. नदीम ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन युवा नेता रफी अहमद ने किया। धरना-प्रदर्शन के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कोतमा को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार देशभर में छात्रों, विपक्षी नेताओं एवं शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ हुई कथित घटनाएं लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विपरीत हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस सांसदों, वरिष्ठ नेताओं एवं छात्रों के साथ कथित दमनात्मक कार्रवाई लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।

कांग्रेस का कहना है कि छात्र अपने भविष्य से जुड़े मुद्दों पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे, लेकिन उनके साथ किया गया व्यवहार निंदनीय एवं अस्वीकार्य है। कांग्रेस ने ज्ञापन में कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को बलपूर्वक दबाना संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर आघात है। इससे युवाओं में भय और असुरक्षा का माहौल बनता है तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास कमजोर होता है। ज्ञापन के माध्यम से जिला कांग्रेस ने चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का तत्काल इस्तीफा अथवा उन्हें पद से हटाने, प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितताओं एवं व्यवस्थागत विफलताओं पर संसद में चर्चा कर दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई, नई दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज सभी एफआईआर वापस लेने तथा जंतर-मंतर पर छात्राओं के साथ कथित अभद्रता एवं छात्रों पर लाठीचार्ज के जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग शामिल है। कार्यक्रम के अंत में जिला कांग्रेस ने राष्ट्रपति से लोकतंत्र की गरिमा, संविधान की मूल भावना तथा देश के युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप कर निष्पक्ष एवं न्यायोचित कार्रवाई सुनिश्चित कराने का आग्रह किया।

नीट पेपर लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में अनूपपुर में अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

अनूपपुर। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक के आरोपों तथा इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा कथित लाठीचार्ज के विरोध में शुक्रवार को अनूपपुर जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्ताओं ने जिला एवं सत्र न्यायालय के मुख्य द्वार के सामने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। अधिवक्ताओं ने कहा कि देश के लाखों छात्र-छात्राओं ने कड़ी मेहनत के साथ नीट परीक्षा की तैयारी की थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों ने परीक्षा की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका कहना था कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों का विश्वास शिक्षा व्यवस्था में बना रहे और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो।

प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की भावना के विपरीत है। उनका कहना था कि संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार देता है तथा इस अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रदर्शन में शामिल अधिवक्ताओं ने हाथों में संविधान की प्रतियां लेकर लोकतंत्र, न्याय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के समर्थन में नारे लगाए। उन्होंने मांग की कि छात्रों पर बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच कराई जाए, यदि किसी स्तर पर अधिकारों का उल्लंघन हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। अधिवक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता समाज सदैव संविधान की गरिमा, विधि के शासन और जनहित के मुद्दों के प्रति सजग रहा है। शिक्षा, न्याय और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मामलों में समाज की आवाज बुलंद करना उनकी नैतिक जिम्मेदारी है और भविष्य में भी वे संविधान की रक्षा के लिए इसी तरह अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। प्रदर्शन में जिले के बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने सहभागिता की। इस दौरान न्यायालय परिसर के बाहर मौजूद नागरिकों ने भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन का समर्थन करते हुए अधिवक्ताओं के साथ एकजुटता व्यक्त की। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ।

संस्कार लॉ कॉलेज में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान, रैली निकालकर दिया नशामुक्ति का संदेश

अनूपपुर। युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और समाज में नशामुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से संस्कार लॉ कॉलेज, अनूपपुर में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त भारत का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज परिसर से निकाली गई जागरूकता रैली से हुई। रैली को महाविद्यालय प्रबंधन एवं अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाथों में पोस्टर और बैनर लिए विद्यार्थियों ने शहर के प्रमुख मार्गों पर भ्रमण करते हुए नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशे से दूरी, जीवन के लिए जरूरी और स्वस्थ युवा, सशक्त भारत जैसे नारों के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। रैली के बाद महाविद्यालय सभागार में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस दौरान विधि विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार एवं सेवन से जुड़े कानूनी परिणामों की जानकारी दी। वहीं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि नशा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। अभियान के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय परिसर में सामूहिक शपथ ग्रहण कराया गया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक करने का संकल्प लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आनंद कुमार द्विवेदी ने कहा कि विधि के विद्यार्थियों का दायित्व केवल कानून का अध्ययन करना ही नहीं, बल्कि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जनजागरण करना भी है। उन्होंने कहा कि संस्कार लॉ कॉलेज नशामुक्त और जागरूक समाज के निर्माण के लिए ऐसे अभियान लगातार संचालित करता रहेगा। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजन की स्थानीय नागरिकों एवं बुद्धिजीवियों ने सराहना करते हुए इसे युवाओं में सकारात्मक सामाजिक चेतना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।